# CUH awarded Ph.D. Degree to 1st Visually Impaired Scholar

## Central University of Haryana

**NAAC Accredited 'A' Grade University**

**Public Relations Office**

**Newspaper: The Homepages** **Date: 19-07-2025**

# CUH awards Ph.D. Degree Visually Impaired Bhadur Lal

**M'GARH (HPC) :** Bhadur Lal, a visually impaired research scholar from the Department of Teacher Education at the Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh, has successfully completed his Ph.D. after overcoming several challenges. He is the first scholar under the visually impaired category to receive a Ph.D. degree from CUH, bringing recognition to both the University and his native village, Malpur Dinga in Jammu.

Vice Chancellor congratulated Bhadur Lal and praised his determination, stating that the University stands with all students who pursue education despite several challenges.

# Central University of Haryana

**NAAC Accredited 'A' Grade University**

**Public Relations Office**

**Newspaper: Amar Ujala** **Date: 19-07-2025**

इनसे सीखें

जम्मू के मालपुर डिंगा गांव के दृष्टिबाधित बहादुरलाल ने हकेंवि में पेश किया शोधपत्र, विशेष श्रेणी क्षेत्र में पीएचडी करने वाले हैं पहले शोधार्थी

# जीवन भर ठोकरें खाईं...अब शोध बनेगा दृष्टिबाधितों की लाठी

संवाद न्यूज एजेंसी

**महेंद्रगढ़।** जम्मू के मालपुर डिंगा गांव के बहादुरलाल पूरी तरह दृष्टिबाधित हैं। उन्होंने अपने जीवन में कई परेशानियां झेलीं। घर से बाहर निकलते तो कोई रास्ता भी पार नहीं कराता। लोग हीन भावना से देखते थे। बहादुरलाल ने जीवन से मिले इन कड़वे अनुभवों पर ही शोध पेश कर डाला है। उनका शोध अब दृष्टिबाधितों की लाठी बनेगा। बहादुरलाल हकेंवि में विशेष श्रेणी (दृष्टिबाधित) के क्षेत्र में पीएचडी करने वाले वह पहले शोधार्थी भी हैं।

बहादुरलाल ने हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के शिक्षक शिक्षा विभाग (डिपार्टमेंट ऑफ टीचर एजुकेशन) से आधुनिक तकनीकि की मदद से शोध किया है। शोध का विषय समावेशी परिवेश में शिक्षा व उच्च शिक्षण संस्थानों में दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए निवारण रणनीतियों का अन्वेषण था।

उन्हें अपने शोध के लिए केंद्रीय विश्वविद्यालय से प्रोविजनल डिग्री प्राप्त हो गई है।

बहादुरलाल ने बताया कि जब कोई दृष्टिबाधित सार्वजनिक स्थानों पर अकेला होता है तो उसे हीन दृष्टि से देखा जाता है। उन्होंने शोध में बताया है कि दृष्टिबाधित की मदद के लिए प्रारंभिक कक्षा से ही बच्चों को सेवा की शिक्षा देनी की आवश्यकता है। बच्चों को बताना होगा कि दृष्टिबाधित समाज का अभिन्न अंग हैं।

वे बताते हैं दृष्टिबाधितों को शिक्षा देने के लिए शिक्षकों को उपयुक्त ट्रेनिंग भी नहीं दी जाती है। इसके लिए विशेष ट्रेनिंग सेशन की आवश्यकता है।

## टॉकबैक से की पढ़ाई, राइटिंग के लिए मिला हेल्पर

बहादुरलाल ने साल 2018 से 2020 में एमए इन एजुकेशन पूरी की। इसके बाद 2022 के सत्र में पीएचडी शुरू की थी। वे बताते हैं आज के समय में मोबाइल में कई सारे एप हैं जिसकी मदद से पीडीएफ फाइल को ऑडियो बनाया जा सकता है। उन्होंने विवि से उपलब्ध पाठ्य सामग्री को पीडीएफ फाइलों को टॉकबैक की सहायता से अध्ययन किया। उन्हें विवि से एक हेल्पर राइटर मिला था। इसके अलावा शिक्षकों की रिकॉर्ड की गई ऑडियो का विशेष सहयोग मिला।

## कुलपति ने की सराहना, बोले- उपलब्धि बनेगी प्रेरणा स्रोत

हकेंवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बहादुरलाल से मुलाकात कर उनकी सराहना की। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय ऐसे हर विद्यार्थी के साथ खड़ा है जो विभिन्न चुनौतियों के साथ शिक्षा पाने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने कहा कि इनकी उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा स्रोत बनेगी।

हकेंवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार से मुलाकात करते दृष्टिबाधित शोधार्थी बहादुरलाल। स्रोत : हकेंवि

# Central University of Haryana

**NAAC Accredited 'A' Grade University**

**Public Relations Office**

**Newspaper: Dainik Bhaskar** **Date: 19-07-2025**

# दृष्टिबाधित बहादुर लाल ने प्राप्त की पीएचडी डिग्री

महेंद्रगढ़| हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) के शिक्षक शिक्षा विभाग से दृष्टिबाधित दिव्यांग शोधार्थी बहादुर लाल ने पीएचडी की डिग्री हासिल की। वे विश्वविद्यालय में विशेष श्रेणी के पहले पीएचडी धारक बने।

बहादुर जम्मू के मालपुर डिंगा गांव से निकलकर यहां तक पहुंचे। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बहादुर से मुलाकात की। उन्होंने बहादुर की सराहना की। कहा कि इच्छाशक्ति और परिश्रम से हर चुनौती पार की जा सकती है।

बहादुर ने बताया कि जीवन में दृष्टिबाधा के कारण कई मुश्किलें आईं। लेकिन शिक्षकों के मार्गदर्शन

और प्रेरणा से यह राह आसान हुई। उन्होंने प्रो. सारिका शर्मा के निर्देशन में शोध किया। उनका शोध विषय था 'समावेशी परिवेश में शिक्षाः उच्च शिक्षण संस्थानों में दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए निवारण रणनीतियों का अन्वेषण'। विभागाध्यक्ष प्रो. प्रमोद कुमार ने कहा कि बहादुर की सफलता साहस और परिश्रम का परिणाम है। यह अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा बनेगी।

# Central University of Haryana

**NAAC Accredited 'A' Grade University**

**Public Relations Office**

**Newspaper: Haribhoomi** **Date: 19-07-2025**

# जम्मू के दृष्टिबाधित दिव्यांग ने हकेंवि से प्राप्त की पीएचडी की डिग्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के शिक्षक शिक्षा विभाग से दृष्टिबाधित दिव्यांग शोधार्थी बहादुर लाल ने विभिन्न चुनौतियों का सामना करते हुए पीएचडी की डिग्री प्राप्त कर विश्वविद्यालय व जम्मू के मालपुर डिंगा गांव का नाम रोशन किया है। हकेंवि में विशेष श्रेणी (दृष्टिबाधित) के अंतर्गत पीएचडी की डिग्री प्राप्त करने वाले पहले शोधार्थी हैं। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने बहादुर से मुलाकात कर उनकी सराहना की और कहा कि विश्वविद्यालय ऐसे हर विद्यार्थी के साथ खड़ा है जोकि विभिन्न चुनौतियों के साथ शिक्षा पाने का इच्छुक है। कुलपति ने कहा कि इच्छाशक्ति व परिश्रम ऐसे माध्यम है जिनके आगे किसी भी प्रकार की चुनौती बाधक नहीं बन सकती। उन्होंने कहा कि बहादुर की उपलब्धि अवश्य ही अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बनेगी। विश्वविद्यालय के शिक्षक शिक्षा विभाग से पीएचडी डिग्री प्राप्त करने वाले बहादुर लाल ने बताया कि उनके लिए जम्मू के मालपुर डिंगा गांव से निकलकर उच्च शिक्षा का यह सफर बेहद चुनौतीपूर्ण रहा। उन्होंने कहा कि इस उपलब्धि को जीवन में दृष्टिबाधित होने के चलते प्राप्त करने में अनेक चुनौतियां सामने आईं।

महेंद्रगढ़। कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार से मुलाकात करते दिव्यांग शोधार्थी बहादुर लाल। फोटो : हरिभूमि

# Central University of Haryana

**NAAC Accredited 'A' Grade University**

**Public Relations Office**

**Newspaper: Navodaya Times** **Date: 19-07-2025**

# दिव्यांग विद्यार्थी बहादुर लाल ने हकेंवि से प्राप्त की पी.एच.डी. की डिग्री

*हकेवि कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार से मुलाकात करते दिव्यांग शोधार्थी बहादुर लाल।*

महेंद्रगढ़, 18 जुलाई (मोहन, परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के शिक्षक शिक्षा विभाग से दृष्टिबाधित दिव्यांग शोधार्थी बहादुर लाल ने विभिन्न चुनौतियों का सामना करते हुए पीएच.डी. की डिग्री प्राप्त कर विश्वविद्यालय व जम्मू के मालपुर डिंगा गांव का नाम रोशन किया है।

हकेवि में विशेष श्रेणी (दृष्टिबाधित) के अंतर्गत पीएच.डी. की डिग्री प्राप्त करने वाले पहले शोधार्थी हैं। कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने बहादुर से मुलाकात कर उनकी सराहना की और कहा कि विश्वविद्यालय ऐसे हर विद्यार्थी के साथ खड़ा है जोकि विभिन्न चुनौतियों के साथ शिक्षा पाने का इच्छुक है। कुलपति ने कहा कि इच्छाशक्ति व परिश्रम ऐसे माध्यम है जिनके आगे किसी भी प्रकार की चुनौती बाधक नहीं बन सकती। उन्होंने कहा कि बहादुर की उपलब्धि अवश्य ही अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बनेगी। शिक्षक शिक्षा विभाग से पीएच.डी. डिग्री प्राप्त करने वाले बहादुर लाल ने बताया कि उनके लिए जम्मू के मालपुर डिंगा गांव से निकलकर उच्च शिक्षा का यह सफर बेहद चुनौतीपूर्ण रहा।

# Central University of Haryana

**NAAC Accredited 'A' Grade University**

**Public Relations Office**

**Newspaper: Punjab Kesari** **Date: 19-07-2025**

## जम्मू के दिव्यांग विद्यार्थी बहादुर लाल ने हकेंवि से प्राप्त की पीएचडी की डिग्री

**महेंद्रगढ़, प्रताप सिंह शास्त्री** (पंजाब केसरी): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के शिक्षक शिक्षा विभाग से दृष्टिबाधित दिव्यांग शोधार्थी बहादुर लाल ने विभिन्न चुनौतियों का सामना करते हुए पीएचडी की डिग्री प्राप्त कर विश्वविद्यालय व जम्मू के मालपुर डिंगा गांव का नाम रोशन किया है। हकेंवि में विशेष श्रेणी (दृष्टिबाधित) के अंतर्गत पीएचडी की डिग्री प्राप्त करने वाले पहले शोधार्थी हैं। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने बहादुर से मुलाकात कर उनकी सराहना की और कहा कि विश्वविद्यालय ऐसे हर विद्यार्थी के साथ खड़ा है जोकि विभिन्न चुनौतियों के साथ शिक्षा पाने का इच्छुक है। कुलपति ने कहा कि इच्छाशक्ति व परिश्रम ऐसे माध्यम है जिनके आगे किसी भी प्रकार की चुनौती बाधक नहीं बन सकती। उन्होंने कहा कि बहादुर की उपलब्धि अवश्य ही अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बनेगी। विश्वविद्यालय के शिक्षक शिक्षा विभाग से पीएचडी डिग्री प्राप्त करने वाले बहादुर लाल ने बताया कि उनके लिए जम्मू के मालपुर डिंगा गांव से निकलकर उच्च शिक्षा का यह सफर बेहद चुनौतीपूर्ण रहा।

पंजाब केसरी Sat, http